

9/4/25

पत्रावली जेठ हरी वारी क  
 उन्हे अचिकर अहुपल्लि  
 आवाज दिलवई गरी केके  
 अहुपल्लि। बार-बार  
 आवाज दिलवई गरी, वारी  
 न अके अचिकर अहुपल्लि  
 ठार वाड वारी कक  
 बगरी, कक पैली खाके  
 किया माता ही पत्रावली  
 गभार के कक बोक  
 दाजिर दफ्तार ही


